

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 5355

गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नई हवाई पट्टियों का निर्माण

5355. श्री अशोक कुमार रावत:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार छोटे जिलों में हवाई यात्रा को सुगम बनाने के लिए नई हवाई पट्टियों के निर्माण में तेजी लाने और नए विमान खरीदने की किसी योजना पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत को वर्ष 2030 तक विश्व का सबसे बड़ा एविएशन हब बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश के विभिन्न भागों में आवश्यक विमानों की संख्या के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त विमानों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोले)

(क) से (घ) : हवाईअड्डों पर अवसंरचना का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) एवं अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों, यातायात की माँग और एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों से/हवाईअड्डों के लिए परिचालन करने की इच्छा के आधार पर समय-समय पर किया जाता है। हवाईअड्डे की परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर होता है जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरीयों की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि।

सरकार ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार करके क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए आरसीएस-‘उड़ान’ योजना शुरू की है। सरकार ने अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और 4 करोड़ यात्रियों की यात्रा को सुलभ बनाने के लिए संशोधित ‘उड़ान’ योजना शुरू करने की भी योजना बनाई है।

भारत की योजना, स्थापित हबों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए वर्ष 2030 तक भारतीय यात्रियों के लिए पसंदीदा विमानन केंद्र और वर्ष 2047 तक वैश्विक विमानन केंद्र बनने की है। इस रणनीति में भारत के भौगोलिक गुणों का लाभ उठाया गया है और इसमें घरेलू वाहकों को सशक्त करते हुए विदेशी वाहकों को सीमित करना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय वाहकों की अंतर्राष्ट्रीय यातायात हिस्सेदारी में वृद्धि के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय यातायात में भी वृद्धि होगी।

हवाई परिवहन की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए एयरलाइन प्रचालक अपने बेड़े में नए विमान शामिल कर रहे हैं। प्रमुख एयरलाइनों द्वारा दिए गए ऑर्डर का विवरण अनुलग्नक में उपलब्ध है।

अनुलग्नक

प्रमुख एयरलाइनों द्वारा दिए गए विमान ऑर्डर (एयरलाइनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार)

| क्र. सं. | प्रचालक का नाम | विमान का प्रकार | ऑर्डर किए गए विमानों की संख्या | वर्ष |
|----------|---|-----------------------------|--------------------------------|------|
| 1 | एअर इंडिया समूह | ए320/ए321 | 210 | 2023 |
| | | ए350 | 40 | 2023 |
| | | बी787 | 20 | 2023 |
| | | बी777 | 10 | 2023 |
| | | बी737-8 | 190 | 2023 |
| 2 | इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) | A320 परिवार | 400 | 2015 |
| | | A320 परिवार | 300 | 2019 |
| | | A320 परिवार | 500 | 2023 |
| | | एटीआर 72-212ए (600 संस्करण) | 50 | 2017 |
| 3 | एसएनवी एविएशन प्रा. लिमिटेड (अकासा एअर) | बी737-8 | 76 | 2021 |
| | | बी737-8 | 150 | 2024 |
| 4 | स्पाइसजेट लिमिटेड (स्पाइसजेट) | बी737-8 | 155 | 2016 |
| कुल | | | 2101 | |

टिप्पणी:

1. एयरलाइन प्रचालकों द्वारा पट्टा अवधियों की समाप्ति के अनुसार अपने मौजूदा विमानों की पुनः सुपुर्दगी/निर्यात सहित विमानों को बेड़े में शामिल किया जाता है। इसलिए विमानों को शामिल करने से एयरलाइन बेड़े में वृद्धि के साथ ही समय के साथ मौजूदा बेड़े को बदलने की आवश्यकता भी पूरी होगी।
2. एयरलाइन प्रचालक वाणिज्यिक कारकों के आधार पर समय के साथ अपने बेड़े की योजना बनाएंगे/अनुकूलन करेंगे।
